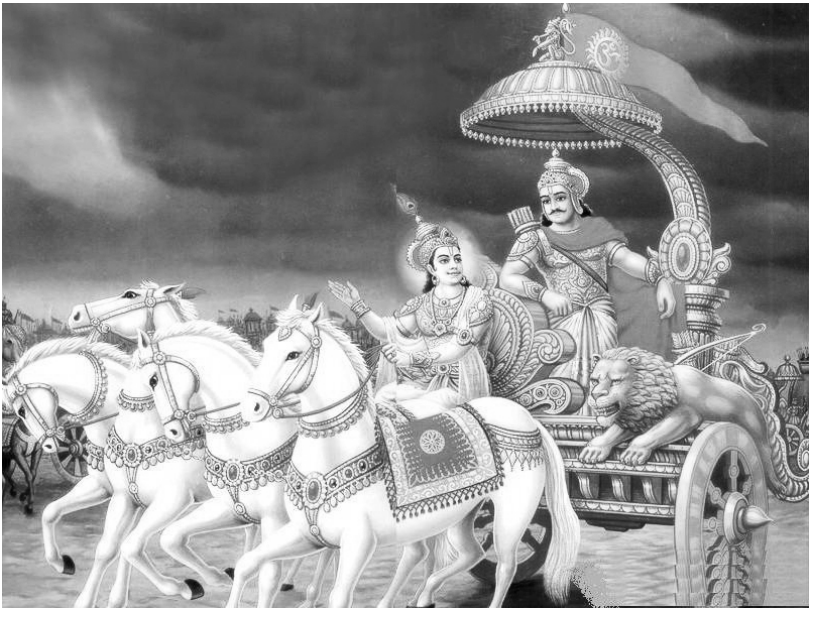

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्।।

हे भारत! जब-जब धर्म की हानि और अधर्म की वृद्धि होती है, तब-तब ही मैं अपने रूप को रचता हूँ अर्थात् साकार रूप से लोगों के सम्मुख प्रकट होता हूँ।।4:7।।

!! ॐ !!

प्रश्नमंच (QUIZ) प्रतियोगिता के लिए

श्रीमद्भगद्वगीता प्रश्नोत्तरी

प्रथम चक्र (प्रश्न-60)

गीता सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी

प्र॰-1 गीता महाभारत के कौन से पर्व में है?

उ॰- महाभारत के भीष्म पर्व के अध्याय 25 से 42 तक गीता है।

प्र॰-2 गीता हमको किसके माध्यम से मिली?

उ॰- गीता हमको धृतराष्ट्र और संजय के माध्यम से मिली है।

प्र॰-3 धृतराष्ट्र का अर्थ क्या है?

उ॰- जिसने मोहयुक्त होकर बिना अधिकार राष्ट्र को पकड़ के रखा है।

प्र॰-4 धृतराष्ट्र अन्धे थे इसका अर्थ क्या है?

उ॰- धृतराष्ट्र को चर्म-चक्षु नहीं थे और ज्ञान चक्षु भी नहीं थे।

प्र॰-5 गीता में अर्जुन उवाच एवं श्रीभगवानुवाच कितने बार आया है?

उ॰- अर्जुन उवाच 20 बार तथा श्री भगवानुवाच 27 बार।

प्र॰-6 गीता में भगवान ने कुल कितने श्लोक बोले हैं?

उ॰- 574

प्र॰-7 सञ्जय ने गीता में कुल कितने और अर्जुन ने कितने श्लोक बोले हैं?

उ॰- सञ्जय ने 40 एवं अर्जुन ने 85

प्र॰-8 गीता कहाँ से आरम्भ होती है और कहाँ पूर्ण होती है?

उ॰- गीता अर्जुन के शराणागति से आरंभ होकर उसके शरणागति में पूर्ण होती है। (शिष्यस्तेऽहं शाधिमां त्वां प्रपन्नम् से करिष्ये वचनं तव)

प्र॰-9 गीता पढ़ने के बाद अन्य शास्त्र पढ़ने की आवश्यकता नहीं ऐसा व्यास जी ने क्यों कहा?

उ॰- कारण गीता स्वयं पद्मनाभ भगवान् श्री विष्णु के मुखारविन्द से निकली हुई है।

प्र०–10 भगवान् श्रीकृष्ण ने गीता का माहात्म्य गीता के कौन से श्लोकों में बताया है

उ०– अध्याय 18 के 68 से 71 तक श्लोकों में।

प्र०–11 सञ्जय शब्द का अर्थ क्या है?

उ०– सत्य की जय। सम् + जयः।

प्र०–12 'मा शुचः' का अर्थ क्या है?

उ०– शोक मत कर।

प्र०–13 गीता में प्रयुक्त छंद का नाम क्या है?

उ०– अनुष्टुप् छन्द।

प्र०–14 अनुष्टुप् छन्द में एक श्लोक में कितने अक्षर होते है?

उ०– 32 अक्षर।

प्र०–15 गीता का उपेदश कुरुक्षेत्र के कौन से स्थान पर दिया गया।

उ०– ज्योतिसर ग्राम, कुरुक्षेत्र।

प्र०–16 यूरोप के विख्यात दार्शनिक, जो श्रद्धा के कारण गीता को अपने सिरहाने रखकर सोते थे, उनका नाम क्या है?

उ०– इमर्सन

प्र०–17 लोकमान्य तिलक ने जो गीता पर भाष्य लिखा है उसका नाम क्या है?

उ०– श्रीमद्भगवद्गीतारहस्य अर्थात् कर्मयोगशास्त्र।

प्र०–18 संत विनोबा भावे जी की गीता पर कौन सी पुस्तक विख्यात है?

उ०– 'गीता प्रवचन' और मराठी में 'गीताई' (गीता माँ)।

प्र०–19 गीता के द्वैतमतपरक व्याख्याकार का नाम बताओ?

उ०– माधवाचार्य।

प्र०–20 वल्लभाचार्य ने गीता की व्याख्या किस मत के अनुसार की?

उ०– शुद्धाद्वैत मत।

प्र०–21 गीता के काश्मीर–शैव सिद्धान्त परक व्याख्याकार का नाम बताओ?

उ०– आचार्य अभिनव गुप्त।

प्र०–22 आचार्य निम्बार्क की परम्परा के केशव काश्मीरी भट द्वारा लिखित गीता का नाम बताओ?

उ०– 'तत्त्व प्रकाशिका'।

प्र०–23 गीता की सुप्रसिद्ध व्याख्या 'गूढ़ार्थ दीपिका' के लेखक का नाम बताओ?

उ०– आचार्य मधुसूदन सरस्वती।

प्र०–24 महात्मा गाँधी द्वारा लिखि गई गीता टीका का नाम बताओ?

उ०– अनासक्ति योग।

प्र०–25 स्वामी महेशानंद गिरिजी ने की गीता–व्याख्या ग्रन्थ का नाम क्या है?

उ०– श्रीकृष्ण–सन्देश।

प्र०–26 'गीता चिरंतन' गीता भाष्य के लेखक का नाम बताओ?

उ०– स्वामी प्रज्ञादास काठिया (वृन्दावन)।

प्र०–27 स्वामी अड़गडानन्द जी ने लिखि गीता टीका का नाम क्या है?

उ०– यथार्थ गीता।

प्र०–28 संत ज्ञानेश्वर महाराज ने की गीता टीका का नाम क्या है?

उ०– ज्ञानेश्वरी (भावार्थदीपिका)।

प्र०–29 स्वामी अखण्डानन्द सरस्वती जी ने की हुई गीता की व्याख्या का नाम क्या है?

उ०– श्रीगीता–रस–रत्नाकर।

प्र०–30 अर्जुन को गुडाकेश क्यों कहा गया?

उ०– अर्जुन नींद को जीतने वाला था।

प्र०–31 अर्जुन का पार्थ नाम क्यों पड़ा?

उ०– अर्जुन पृथा का पुत्र था।

प्र०–32 कृष्ण को पार्थसारथी क्यों कहते है?

उ०– पार्थ (अर्जुन) के रथ का सारथी बनने के कारण।

प्र०–33 कुरुक्षेत्र की भूमि की आयु कितनी है?

उ०– (19,088) उन्नीस हजार अठ्ठासी वर्ष।

प्र०–34 महाभारत युद्ध में कौरवों की सेना कितनी थी?

उ०– ग्यारह अक्षौहिणी।

प्र०–35 पाण्डवों की सेना कितनी थी।

उ०– सात अक्षौहिणी।

प्र०–36 एक अक्षौहिणी सेना का विवरण बतायें? (अलग–अलग चार प्रश्न बनेंगे)

उ०– पैदल–109350, घोड़े–65610, रथ–21870, हाथी–21870,

प्र०–37 एक अक्षौहिणी में कितनी सेना होती है?

उ०– 2,18,700

प्र०–38 महाभारत युद्ध में कुल सेना कितनी थी?

उ०– अठारह अक्षौहिणी – 2,18,700 x 18 = 39,36,600

प्र०–39 महाभारत का युद्ध कितने दिन चला?

उ०– 18 दिन तक।

प्र०–40 गीता में कितने अध्याय और कितने श्लोक है?

उ०– 18 अध्याय और 700 श्लोक है।

प्र०–41 गीता में श्लोकों के कुल कितने चरण (सूत्र) हैं?

उ०– एक श्लोक के चार चरण। कुल 700 x 4 = 2,800 चरण हैं।

प्र०–42 गीता का वक्ता कौन है?

उ०– संजय।

प्र०–43 कुरुक्षेत्र को किस नाम से जाना जाता है?

उ०– धर्मक्षेत्र नाम से।

प्र०–44 भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को 'परंतपः' क्यों कहा?

उ०– अर्जुन शत्रु को ताप देने वाला अर्थात् दमन करने वाला था।

प्र०–45 गीता का सर्वाधिक प्रचार कौन सी संस्था ने किया?

उ०– गीताप्रेस, गोरखपुर।

प्र०–46 'श्रीमद्भगवद्गीता यथारूप' ग्रन्थ का विश्वभर में प्रचार करने वाली संस्था का नाम क्या है?

उ०– अन्तर्राष्ट्रीय कृष्णभावनामृतसंघ (ISCON)

प्र०–47 कौन से विख्यात संत को 'गीता मनीषी' नाम से जाना जाता है?

उ०– स्वामी ज्ञानानन्द जी महाराज (वृन्दावन)

प्र०–48 गीता जयन्ती कब मनाई जाती है।

उ०– मार्गशीर्ष के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को।

प्र०–49 'गीता सुगीता कर्तव्या' यह किसने कहा?

उ०– श्री वेदव्यासजी ने।

प्र०–50 श्री शंकराचार्य ने मनुष्य के कर्तव्य में क्या कहा?

उ०– 'गेयं गीता नामसहस्रं' मनुष्य को गीता एवं श्रीविष्णुसहस्रनाम का पाठ करना चाहिए।

प्र०–51 गीता में सूतपुत्र किसको कहा गया?

उ०– कर्ण को।

प्र०–52 अर्जुन के रथ पर लगे ध्वजा को कपिध्वज क्यों कहते है?

उ०– कारण उस ध्वज पर वीर हनुमान जी का चित्र अंकित है।

प्र०–53 अर्जुन के रथ को कितने और कौन से रंग के घोड़े थे?

उ०– चार घोड़े और सफेद (श्वेत) रंग के थे।

प्र०–54 बाह्यकरण कौन से और कितने हैं

उ०– पाँच ज्ञानेन्द्रिय एवं पाँच कर्मेन्द्रिय कुल दस।

प्र०–55 अन्त:करण कितने और कौन से है?

उ०– अन्त:करण चार हैं– मन, बुद्धि, चित्त और अहंकार।

प्र०–56 प्रस्थानत्रयी में क्या–क्या है?

उ०– १. उपनिषद्, २. श्रीमद्भगवद्गीता, ३, ब्रह्मसूत्र

प्र०–57 अर्जुन का धनञ्जय नाम क्यों हुआ?

उ०– युधिष्ठिर के राजसूय यज्ञ के समय अर्जुन ने सभी जनपदों को जीतकर धन संग्रह किया था। इसलिए धन को जय करने वाला = धनञ्जय हुआ।

प्र०–58 अर्जुन का गांडीव धनुष किस प्राणी के मेरुदण्ड से बना था?

उ०– गेंडा (गंडार)

प्र०–59 कुरुक्षेत्र को धर्मक्षेत्र क्यों कहा जाता है?

उ०– कारण इस स्थान पर देवी भद्रकाली और भैरव–स्थाणु विराजित हैं।

प्र०–60 सर्वोपनिषदो गावो दोग्धा गोपालनन्दन: ..... यह श्लोक गीता के कौन से अध्याय में है?

उ०– किसी अध्याय में नहीं है, यह 'गीताध्यान' में है।